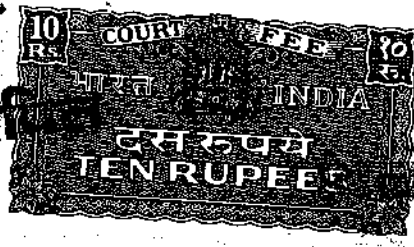


विलो



45

C.P.S. 101/A

माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश मुख्यालय ग्वालियर
प्रकरण क्रमांक 12008 कन्टेम्प्ट पिटीशन

विविध 1557-II/2004

गुलाबसिंह पुत्र श्री कमरसिंह आयु-५१ वर्षी
जाति दगुंगी, निवासी-ग्राम बरीघाट
तहसील ग्यारसपुर जिला विदिशा

--अविदक

श्री ए.के. अग्रवाल एस्केट
द्वारा आज दि. 23/11/04 को प्रस्तुत।
अध्यक्ष राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर

- नाम
- १- नाथन तहसीलदार टप्पा गुलाबगुंज
विकास सण्ड ग्यारसपुर जिला विदिशा
 - २- श्रीमती लीलाबाई विधवा स्व० श्री
बचुलाल जी आयु-६८ वर्षी
 - ३- अनिल गुप्ता पुत्र श्री बचुलाल जी गुप्ता
आयु-५० वर्षी
 - ४- कृष्ण गुप्ता पुत्र श्री बचुलाल आयु-४३ वर्षी
 - ५- श्रीमती अनिता गुप्ता पुत्री बचुलाल जी
गुप्ता आयु-३५ वर्षी
 - ६- श्रीमती क्लका गुप्ता पुत्री श्री बचुलाल
गुप्ता, आयु-४३ वर्षी
 - ७- श्रीमती बबीता गुप्ता पुत्री श्री बचुलाल
गुप्ता आयु-३० वर्षी समी जाति वैश्य
निवासीगण-गुलाबगुंज तहसील ग्यारसपुर
जिला विदिशा
 - ८- मोतीलाल पुत्र श्री ग्याप्रसूद आयु-६६ वर्षी
 - ९- श्रीमती लल्लानाई वैवा बाबुलाल
आयु-६३ वर्षी
 - १०- रमाकान्त गुप्ता पुत्र श्री बाबुलाल गुप्ता
आयु-४२ वर्षी
 - ११- विष्णुकान्त पुत्र श्री बाबुलाल आयु-४०
 - १२- रामकान्त नाई वैवा रामकान्त आयु-३५ वर्षी

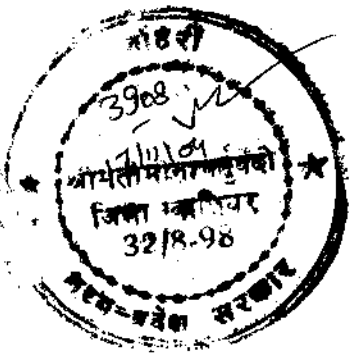
23 NOV 2004

वि. म. म. ३
अ. प्र. २११३ म. ४

EXP


A. K. Agrawal
23-11-04

23-11-04



माननीय श्रीमा चतुर्वेदी
अध्यक्ष, राजस्व मण्डल

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों अभि.के हस्ता
4-5-16	<p>राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक १०९८-पीबीआर/ २००४ में पारित स्थगन आदेश दिनांक २७-११-९२ एवं २२-२-९३ के परिप्रेक्ष्य में यह अवमानना प्रकरण आवेदक द्वारा दायर किया गया।</p> <p>२/ आवेदक के अभिभाषक की आपत्ति यह है कि जब उसके हित में स्थगन आदेश था तब स्थगन के प्रभावशील होने के बाद भी अनावेदकगण ने नवीन आवेदन देकर अतिरिक्त न्यायालय में कार्यवाही की अपेक्षा कर स्थगन आदेश की अवमानना की है। अनावेदकगण सूचना उपरांत अनुपस्थित रहे हैं, इसलिये उनका पक्ष नहीं सुना गया जा सका है।</p> <p>३/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार किया गया। विचाराधीन अवमानना प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में न्यायालय के प्रकरण क्रमांक १०९८-पीबीआर/ २००४ का अवलोकन किया गया। इस प्रकरण में पारित अंतिम आदेश के अवलोकन पर पाया गया कि आवेदक द्वारा अपर आयुक्त, भोपाल संभाग, भोपाल के प्रकरण क्रमांक १८७/१९९०-९१ अपील में पारित आदेश दिनांक ८-९-९२ के विरुद्ध प्रस्तुत निगरानी में आवेदक को सफलता प्राप्त नहीं हुई है एवं निगरानी निरस्त की जाकर अपर आयुक्त के आदेश दिनांक ८-९-९२ को यथावत् रखा गया है जिसके कारण विचाराधीन अवमानना प्रकरण में भी आवेदक को किसी प्रकार की सहायता प्रदान करना संभव नहीं है एवं अवमानना प्रकरण क्रमांक १५५७-दो/२००४ व्यर्थ होने से इसी-स्तर पर समाप्त किया जाता है।</p>	

R
A

सदस्य